कोरोना महामारी के चलते सोसियल डिस्टेंसिंग बनाकर रखें। *हमेशा मास्क का इस्तेमाल करें।*अपने आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखें। * शरीर को ज्यादा से ज्यादा ढककर घर से बाहर निकलें *अपने हाथों को सेनेटाइज करें।

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-19 | अंक-314 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर,सोमवार 19 जुलाई, 2021 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

संक्षिप्त खबरें

तीसरी लहर से पहले अलर्टः यूपी में एंट्री सख्त,

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर रोकने के लिए योगी सरकार अभी से सतर्कता बरत रही है। इसी के तहत राज्य सरकार कोरोना प्रभावित राज्यों से यूपी आने वालों के लिए निगेटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट या फिर दोनों डोज वैक्सीन लगवाए जाने का प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसके लिए जल्द ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया जाए। यह भी कहा कि ट्रेन, हवाई जहाज व बस आदि से यूपी आने वाले कोविड पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। इसलिए ऐसे लोगों की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग और जांच जरूर की जाए। विशेषज्ञों के भविष्य के आकलन पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण का काम सुचारु रूप से चल रहा है। यूपी चार करोड़ कोविड वैक्सीन लगाने वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। कोरोना महामारी के बीच प्रदेश सरकार ने लोगों के जीवन और जीविका को सुरक्षित रखने के साथ विकास परियोजनाओं को भी जारी रखा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का कार्य पूर्णता की ओर है, तो गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 89 फीसदी से अधिक भूमि क्रय कर ली गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर दिन के साथ कोविड महामारी पर नियंत्रण की स्थिति और बेहतर होती जा रही है।

मुंबईः बारिश से मची तबाही

चैंबूर और विक्रोली में दीवार ढहने से 25 की मौत, पीएम और राष्ट्रपति ने जताया दुख

मुंबई। रातभर हुई भारी बारिश के कारण मकान गिरने की घटनाओं में 25 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही शहर में मूसलाधार बारिश के कारण जलभराव के चलते लोकल ट्रेन सेवा और यातायात भी प्रभावित है। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे ने भारी बारिश के चलते मुंबई में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया है तथा लंबी दूरी की कई ट्रेनों का या तो मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है या उनका अन्य स्टेशनों से परिचालन हो रहा है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि एक पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक परिसर की दीवार ढहने से उसके नीचे दबकर 17 लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मुंबई में माहुल इलाके के वाशी नाका में देर रात करीब एक बजे एक पेड़ के गिर जाने से उससे सटे एक मकान की दीवार ढह गई। घटना में सात लोग घायल हो गए, जिन्हें पास के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण मुंबई के विखरोली उपनगर में देर रात करीब ढाई बजे भूस्खलन के चलते छह कच्चे मकानों के ढह जाने से सात लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, उपनगर भांडुप में वन विभाग परिसर की दीवार ढह जाने से 16 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसों पर दुख जताते हुए कहा, 'मुंबई के चैंबूर और विक्रोली में दीवार गिरने से लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे अतिशीघ्र स्वस्थ हों।' प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से हादसे में मरने वाले परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 रुपये मुआवजा देने का एलान कर दिया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, 'चैंबूर और विक्रोली इलाकों में भारी बारिश के चलते हुई घटनाओं में कई लोगों के मरने और हताहत होने की खबर से गहरा दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' मुंबई में हो रही लगातार बारिश की वजह से शनिवार देर रात दो अलग-अलग हादसों में अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 16 लोगों को बचाया गया है। मृतकों में से 17 लोगों की मौत चेंबूर इलाके में तो 3 की मौत विक्रोली में हुई। एनडीआरएफ की टीम मलबा हटाने में लगी हुई है। एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट आशीष कुमार ने बताया, 'चैंबूर से चार शव बरामद किए हैं। इससे पहले 10 शव स्थानीय लोगों ने बरामद कर लिए थे। चैंबूर में सात और विक्रोली में छह और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।'

यूपी विधानसभा चुनावः गठबंधन पर प्रियंका गांधी ने खोले पत्ते

बोलीं: परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेंगे

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में आगामी चुनाव के लिए गठबंधन करने पर कहा कि हमारा मकसद भाजपा को हराना है इसके लिए हम परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि हम ओपेन माइंडेड हैं पर हमें गठबंधन से नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे हमारे संगठन और पार्टी हित को चोट पहुंचे। हम आगे की परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति तय करेंगे। इसके पहले शनिवार को उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वो बिना रुके और बिना डरे चुनाव तक 24 घंटे

काम करें। तभी विधानसभा चुनाव में सही नतीजे मिलेंगे। उन्होंने पिछले डेढ़ साल की पार्टी की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि हमने न्याय पंचायत स्तर तक संगठन पहुंचाया है। इस पर हर कांग्रेसी को गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में कांग्रेस से बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं। संगठन मजबूत हुआ है। जो संगठन हमने बनाया है, उसकी भाग्यरेखा आपके हाथों में है। अगर एकजुट होकर जी-जान से अगले सात महीने हमने काम किया तो विधानसभा चुनाव में अच्छे नतीजे मिलेंगे। 2019 के बाद जहां भी संघर्ष हुए या आम जन परेशानी में पड़े, कांग्रेस कार्यकर्ता सबसे पहले पीड़ितों के पक्ष में खड़ा हुआ। कांग्रेस के नेताओं व कार्यकताओं ने कोरोना में जरूरतमंदों तक सबसे पहले व सबसे ज्यादा मदद पहुंचाई। प्रियंका ने आह्वान किया कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के मुद्दों, संघर्ष व भावनाओं से जुड़ें। नए लोगों को संगठन से जोड़ें, पर पुराने और वरिष्ठ लोगों को साथ लेकर चलें, तभी संगठन मजबूत होगा। यूपी में पार्टी संगठन में आप सब नई ऊर्जा लाए हैं। आपके कारण ही कांग्रेस चर्चा में आई है।

सेना भर्ती में फर्जीवाड़े के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज, तीन गिरफ्तार

बरेली (उप्र)। सेना की भर्ती में फर्जीवाड़ा करने के आरोप में चार अभ्यर्थियोंके खिलाफ बरेली के थाना कैंट में मामला दर्ज कर पुलिस ने तीन आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी और कहा कि एक आरोपी फरार हो गया है। उन्होंने बताया कि चारों अभ्यर्थी एक-दूसरे की जगह मेडिकल करवा रहे थे, लेकिनदस्तवेजों में लगे फोटो और पहचान चिह्न से उनका फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। सभी आरोपी उत्तराखंड के नैनीताल और अल्मोड़ा से हैं। मेजर एसके मिश्र मोहर की ओर से उनके खिलाफ थाना कैंट में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट राजीव कुमार सिंह ने दर्ज प्राथमिकी के आधार पर बताया कि उत्तराखंड राज्य के निवासी ललित सिंह नेगी, बलम सिंह मटियाली, ललित लटवाल और धीरज कुमार एक-दूसरे की जगह सेना की भर्ती में मेडिकल जांच कराने पहुंच गए और सेना के अधिकारियों को उनके फर्जीवाड़े की जानकारी दस्तावेजों को देखकर लगी। उन्होंने बताया कि इस बीच, धीरज सिंह वहां से भाग निकला लेकिन ललित सिंह नेगी, बलम सिंह और ललित लटवाल को सेना की टीम ने पकड़ लिया। काफी देर तक आरोपियों से पूछताछ करने के बाद सेना ने तीनों को कैंट पुलिस को सौंप दिया।

यूपी चुनावः मायावती बोलीं:

भाजपा को वोट देकर पछता रहे हैं ब्राह्मण

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चुनाव में ब्राह्मण भाजपा के बहकावे में आ गए लेकिन अब पछता रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में ब्राह्मणों को फिर से बसपा के साथ आ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों व कांग्रेसियों ने दलितों को पिछले चुनाव में बहकाने की खूब कोशिश की थी और उनके साथ खूब खिचड़ी खाई और खिलाई लेकिन उन्हें दलितों पर गर्व है क्योंकि दलित उनके बहकावे में नहीं आए। मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार को किसानों की भी भावनाएं समझनी चाहिए। संसद के मानसून सत्र में बसपा के सांसद इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएंगे साथ ही आम मुद्दों को भी उठाया जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि भाजपा के खिलाफ पूरे विपक्ष को एकजुट होना चाहिए। मायावती ने खासतौर पर ब्राह्मणों पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि तमाम हथकंडे अपनाकर भाजपा ने पिछले चुनाव में ब्राह्मणों को अपने पक्ष में कर लिया और

ब्राह्मण भी उनके बहकावे में आ गए तथा उन्हें एक तरफा वोट किया। सरकार बना दी पर अब ब्राह्मण पछता रहे हैं क्योंकि यह सब जानते हैं कि ब्राह्मणों पर इस सरकार में कितनी ज्यादती हुई है। अब समय आ गया है कि ब्राह्मण फिर से बसपा के साथ जुड़ जाएं क्योंकि 2007 के चुनाव में ब्राह्मण बसपा के साथ जुड़े थे और प्रदेश में बसपा की सरकार बन गई थी। बसपा ने भी ब्राह्मणों के हितों का पूरा ध्यान रखा था। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों को जोड़ने के लिए 23 जुलाई से हम अभियान की शुरूआत कर रहे हैं और यह अभियान अयोध्या से सांसद सतीश चंद्र मिश्रा की अगुवाई में शुरू हो रहा है।

अमरिंदर सिंह के 'घर' तक जा पहुंचे सिद्धू

कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए विधायकों से मांगा समर्थन

अमृतसर। पंजाब में कांग्रेस का अगला अध्यक्ष बनने की चचाओं में घिरे नवजोत सिंह सिद्धू रविवार को मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के गृह क्षेत्र पटियाला पहुंचे और पार्टी विधायकों से मुलाकात की और उनसे समर्थन मांगा। द संडे एक्सप्रेस के मुताबिक, अमरिंदर सिंह कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर हर फैसले का सम्मान करेंगे, लेकिन उन्होंने सिद्धू से मिलने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने खिलाफ सिद्धू के द्वारा "अपमानजनक" ट्वीट करने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की है। सिद्धू ने शुतराना विधायक निर्मल सिंह शुत्राना से मुलाकात की और बाद में कई विधायकों के साथ घनौर विधायक मदन लाल जलालपुर के घर गए। जलालपुर के घर पर कैबिनेट मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा पहले से मौजूद थे। पटियाला से सांसद और अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर के करीबी माने जाने वाले जलालपुर ने अपने कार्यकताओं के साथ सिद्धू की मेजबानी की। जलालपुर ने मीडिया से कहा, "मुझे रंधावा का फोन आया कि सिद्धू मुझसे मिलने आएंगे। मैंने उसके लिए चाय का इंतजाम किया है। आपको बता दें कि सिद्धू के खेमे ने

कम से कम 30 विधायकों के साथ उनकी तस्वीरें भी जारी की, जिनसे वह शनिवार को मिले थे। सिद्धू के एक सहयोगी ने कहा कि समर्थन देने वाले विधायकों की संख्या बढ़ रही है। राज्यसभा प्रताप बाजवा ने दिल्ली में अपने आवास पर पंजाब के सांसदों की बैठक आयोजित की। सांसद ने घोषणा की है कि वे सिद्धू को अध्यक्ष बनाने का विरोध करने के लिए एक रणनीति तैयार करेंगे और एआईसीसी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने का समय भी मांगेंगे। इस बीच, कम से कम 10 विधायकों ने अमरिंदर को अपना समर्थन दिया और सिद्धू से अपने ट्वीट के लिए माफी मांगने की मांग की। हालांकि, इनमें से तीन तकनीकी रूप से कांग्रेस के विधायक नहीं हैं। विधायक सुखपाल खैरा, निर्मल सिंह और जगदेव कमालू हाल ही में आप द्वारा निलंबित किए जाने के बाद कांग्रेस में शामिल हुए थे। शेष सात में हरमिंदर सिंह गिल, फतेह जंग सिंह बाजवा, गुरप्रीत सिंह जीपी, कुलदीप सिंह वैद, बलविंदर सिंह लड्डी, संतोख सिंह भलाईपुर, जोगिंदरपाल भोआ शामिल हैं, जो सभी कांग्रेस विधायक हैं। एक बयान में, विधायकों ने पार्टी आलाकमान से अमरिंदर को निराश नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ह्यउनके अथक प्रयासों के कारण पार्टी पंजाब में अच्छी तरह से स्थापित है।" विधायकों ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राज्य पीपीसीसी प्रमुख की नियुक्ति पार्टी आलाकमान का विशेषाधिकार है, लेकिन पिछले कुछ महीनों के दौरान अंदरूनी कलह ने केवल पार्टी के ग्राफ को प्रभावित किया है। विधायकों ने कहा कि चूंकि राज्य विधानसभा चुनाव के लिए केवल छह महीने बचे हैं, इसलिए पार्टी को अलग-अलग दिशाओं में खींचने से उसकी संभावनाओं को ही नुकसान होगा।

हरियाणा सरकार ने राज्य में बढ़ाया 26 जुलाई तक लॉकडाउन

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने रविवार को राज्य में आंशिक लॉकडाउन को एक और सप्ताह (26 जुलाई) तक बढ़ाने के आदेश जारी किए है। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए एक बार फिर रोजाना रात का कर्फ्यू लगाया जाएगा। राज्य भर में सप्ताह के सभी सातों दिन रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रात का कर्फ्यू लागू रहेगा। इससे पहले 4 जुलाई को राज्य सरकार ने सप्ताहांत पर कर्फ्यू हटा लिया था। हरियाणा सरकार ने अपने आदेश में कहा कि कोविड -19 सकारात्मकता दर और नए मामलों में गिरावट के बावजूद प्रतिबंधों का विस्तार करने का निर्णय लिया है। कुछ कोविड -19 प्रतिबंधों में भी ढील दी गई है। होटल और मॉल सहित रेस्तरां और बार को सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक बैठने की 50 प्रतिशत सीमा के साथ खोलने की अनुमति दी गई है।

नि:शुल्क सैनिटरी पैड वितरण

हैलो सरकार संवाददाता

चुरू। गैर सरकारी संगठन आसरा फाउंडेशन संस्थान, जयपुर ने चुरू जिले के रतनगढ़ तहसील के ग्राम गुसाइंसर में नि:शुल्क सैनिटरी पैड का वितरण किया गया।

आसरा फाउंडेशन संस्थान, जयपुर की सचिव श्रीमती मंगला शर्मा ने हैलो सरकार को बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के कमी के चलते जीवन स्वास्थ्य संबंधी बातों पर नहीं देते हैं। इसलिए समय-समय पर आसरा फाउंडेशन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाता हैं।

उन्होंने बताया कि आसरा फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में माध्यम से नि:शुल्क सैनिटरी पैड का वितरण करते हुए उनके उपयोग करने के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया।

कार्यक्रम के अवसर पर विभा सत्तासरिया, सपना नायक, पूजा सत्तासरिया सहित गांव की महिलाएं एवं युवक-युवतियां भी मौजूद थी।

37 भाजपा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

हैलो सरकार संवाददाता

जयपुर। जयपुर के सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में आज आयोजित हुए एक कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के 37 भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। स्थानीय विधायक और कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास की अध्यक्षता में सी-स्कीम में हाई मास्क लाइट के लोकार्पण समारोह में इन कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ भी जुटी रही। कार्यक्रम के दौरान मंत्री और कई जिम्मेदार जनप्रतिनिधि कोरोना गाइडलाइन की धज्जियां भी उड़ाते नजर आए। खुद मंत्री पूरे कार्यक्रम में बिना मास्क पहने रहे।

दरअसल आज सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम हैरिटेज के वार्ड 49 में चार जगहों पर लगी हाई मास्क लाईट का आज लोकार्पण कार्यक्रम सी-स्कीम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के 37 कार्यकर्ता भी पहुंचे जिन्हें कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई। करीब एक घंटे तक चले इस पूरे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ रही, लेकिन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिवहन मंत्री यहां लापरवाही करते दिखे। उन्होंने पूरे कार्यक्रम में मास्क नहीं पहना, जबकि कोरोना का खतरा अभी भी बरकरार है। वहीं पूरे कार्यक्रम में न तो सोशल डिस्टेंसिंग का भी ध्यान नहीं रखा गया। जबकि मंत्री अपने भाषण में कोरोना बीमारी का जिक्र भी करते रहे। उन्होंने बताया कि जब कोरोना की दूसरी लहर आई थी, तब लोग इतने डर गए थे कि अपने माता-पिता को हॉस्पिटल में यूं ही छोड़कर आ गए थे। कार्यक्रम में मौजूद परिवहन मंत्री प्रताप सिंह (बिना मास्क लगाए) और उनके पास बैठी नगर निगम हैरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर।

कार्यक्रम में मौजूद परिवहन मंत्री प्रताप सिंह (बिना मास्क लगाए) और उनके पास बैठी नगर निगम हैरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर।

इस कार्यक्रम में वार्ड 49 में लगी हाई मास्क लाईट के अलावा सी स्कीम में 4 करोड़ की लागत से ग्रीन कॉरिडोर रोड के तहत भगत सिंह मार्ग, अशोक मार्ग, और एमआई रोड पर सड़कों के नवीनीकरण के काम और पांच बत्ती स्थित विनोबा बस्ती में बनने वाले सामुदायिक केंद्र का भी शिलान्यास किया। इस दौरान मेयर मुनेश गुर्जर, वार्ड पार्षद उत्तम शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सुविचार — हम अपनी आशा के अनुसार मनुष्य के ज्ञान का न्याय करते हैं। - राल्फ वाल्डो इमर्सन

संपादकीय

गम्भीर चिंता का विषय

हम सब पहली और दूसरी लहर देख चुके हैं। दूसरी लहर ने तो इतना कहर बरपाया कि हमने बहुत से अपनों को खोया। जो दर्द, तकलीफ अपनों को खोने की है वो कभी भी भुलाई नही जा सकती। वो कभी पूरी नही हो सकती। यही नही दूसरी लहर ने सबके कानों को हाथ लगवा दिये थे और समझा दिया था कि जीवन है तो सब कुछ है। सेहत है तो जहान है। सब सख्ती से पालन कर रहे थे, परन्तु जैसे हम कोरोना की दूसरी लहर से उभर रहे है लोगों के व्यवहार मे फिर बदलाव शुरू हो रहा है। अभी कि सबको मालूम है कि यह वायरस आसानी से जाने वाला नही है। लॉकडाउन और सभी सुरक्षा के उपाय करते हुए आज दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर 0.1 है। वहीं ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 657 हैं, परन्तु दूसरी तरफ महाराष्ट्र और केरल में केस बढ़ रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री भी इस बारे मे चिंतित है। उन्होंने कहा कि यह वाकई हम सबके लिए गम्भीर चिंता का विषय है।हम सब मानते हैं हम पिछले डेढ़-दो साल से घर बैठे या वर्क फोम होम करते तंग आ गए हैं। बहुत मुश्किल है और कइयों का रोजगार चला गया है। वो और भी मुश्किल जिन्दगी थम सी गई है। इसलिए बहुत से लोग घर से ऐसे निकल रहे हैं कि जो होगा देखा जाएगा-सड़क पर फिर मारामारी, ट्रैफिक, हर स्थान पर भीड़। यहां तक कि हिल स्टेशनों पर जो भीड़ दिख रही है वो तो बहुत ही चिंता का विषय है। सबको चेतावनी भी है कि तीसरी लहर की मार सहनी बहुत मुश्किल होगी और यह छोटे बच्चों पर भी असर करेगी, परन्तु फिर भी लोगों को समझ नहीं आ रही। अब तो डब्ल्यूएचओ ने भी चेतावनी जारी कर दी है कि भारत में तीसरी लहर कभी भी आ सकती है, इसलिए हमें सभी को सम्भलना जरूरी है। हमें सुरक्षा के नियमों के साथ जीने की आदत डालनी पड़ेगी, तब कहीं हम जाकर बच पाएंगे। सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना, हाथों को सैनेटाइज करते रहना तो हमारा लाइफ स्टाल हो जाना चाहिए। यानी जैसे हम रोजमर्रा की जिन्दगी जीते हैं, सुबह उठना, ब्रश करना, नहाना, पूजा करना, खाना खाना, काम करना यह जरूरी है वैसे यह भी जरूरी होना चाहिए।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सबको गांवों, शहरों में बुजुर्गों, युवाओं और आने वाले समय में बच्चों को वैक्सीनेशन लग जानी चाहिए और जैसे आधार कार्ड पर एक देश से दूसरी देश मे घूमने के लिए पासपोर्ट, वीजा जरूरी है वैसे ही सबके पास टीके का सर्टिफिकेट या उनके व्हाट्सएप पर या ई-मेल पर होना चाहिए ताकि जैसे चैकिंग होती है उस तरह हर शहर, गांव में चैकिंग टीम हो। वो जो भी व्यक्ति सड़क पर, काम पर, रेस्टोरेंट, माल्स, बस या हिल स्टेशन पर है उनकी चैकिंग होनी चाहिए। वो ही व्यक्ति बाहर निकले जिसके टीका लग चुका है। उससे उसकी भी सुरक्षा होगी और दूसरों की भी क्योंकि टीका लगने के बाद भी कोरोना तो हो सकता है परन्तु जानलेवा नही। यानी सबके पास जैसे एक ड्राइवर के पास ड्राइविंग लाइसेंस होता है, वैसे ही सबको घर से बाहर घूमने के लिए, काम पर जाने के लिए वैक्सीनेशन कार्ड होना जरूरी है। भीड़ समाप्त करने का यही तरीका है। हम अक्सर मुसीबत समाप्त होने पर सुधरते हैं। तीसरी लहर से बचने का और सम्भलने का यही समय और तरीका है। हमें तीसरी लहर को हर हालत में रोकना होगा।

योगी की प्रशंसा के निहितार्थ

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कुछ दिन पहले योगी आदित्यनाथ मंत्रिपरिषद को लेकर अफवाहों का बाजार सजाया गया था। सत्ता पक्ष के प्रत्येक नेता की सामान्य यात्राओं को भी परिवर्तन से जोड़कर पेश किया जा रहा था। इस हवाई प्रचार अभियान में शामिल लोग उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं थे। उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर को भी इसमें शामिल कर लिया था। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के बीच मतभेद की कहानी भी गढ़ ली गई। वैसे जल्दी ही इस अभियान की हवा निकल गई थी। प्रधानमंत्री की काशी यात्रा से यह अभियान पूरी तरह निराधार प्रमाणित हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी अनेक अवसरों पर योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते रहे हैं। काशी यात्रा के दौरान तो उन्होंने जैसे विधानसभा चुनाव का एजेंडा ही निर्धारित कर दिया। इसमें नेतृत्व नीति और कार्यशैली पर विश्वास पर विश्वास का भाव समाहित है। योगी को यशस्वी व कर्मठ मुख्यमंत्री बताया। कहा कि उनकी सभी उपलब्धियों को बताने में बहुत समय लगेगा। विगत साढ़े चार वर्षों की उपलब्धियों से केंद्रीय नेतृत्व संतुष्ट है। योगी आदित्यनाथ नेतृत्व और उपलब्धियों के आधार पर पिछली सरकारों को बहुत पीछे छोड़ चुके है। नरेंद्र मोदी ने पहले उत्तर प्रदेश की जातिवादी और भाई भतीजावाद की राजनीति का उल्लेख किया। योगी आदित्यनाथ ने उस दौर से उत्तर प्रदेश को बाहर निकाला है। उन्होंने व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव किया। इससे प्रदेश में विकास का बेहतर माहौल बना। जनहित की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ। योगी सरकार विकासवाद पर अमल कर रही है। इसमें पहले की तरह भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद नहीं है। आज उत्तर प्रदेश में जनता को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ स्वयं इसपर ध्यान दे रहे हैं। प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल बनाया गया है। नये-नये उद्योगों का निवेश हो रहा है। उत्तर प्रदेश को पहले बीमारू माना जाता था। अब यहां औद्योगिक विकास हो रहा है। निवेश व मेक इन इंडिया के लिए उत्तर प्रदेश पसंदीदा जगह बन गया है। योगी आदित्यनाथ की सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस एवं औद्योगिक कलस्टर का निर्माण किया। योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संकट से मुकाबले की मिसाल कायम की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसकी प्रशंसा की है। उत्तर प्रदेश की आबादी दुनिया के कई बड़े देशों से भी ज्यादा है। दिमागी बुखार जैसी आपदा पर बड़ी हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना के सबसे ज्यादा टेस्ट हुए हैं। सबसे अधिक टीके भी उत्तर प्रदेश में ही लगे हैं। उत्तर प्रदेश में चार वर्ष पहले बारह मेडिकल कॉलेज थे। अब उनकी संख्या चार गुनी हो गई है। साढ़े पांच सौ से अधिक ऑक्सीजन प्लांट प्रदेश में लगाए जा रहे हैं। काशी पूर्वांचल का बहुत बड़ा मेडिकल हब बन रही है। अब प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर चौबीस घण्टे, तहसील मुख्यालय में करीब बाइस घण्टे, ग्रामीण क्षेत्र में सोलह से सत्रह घण्टे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। आने वाले समय में पूरे प्रदेश में चौबीस घण्टे विद्युत आपूर्ति देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कनेक्टिविटी से परिवेश बदला है। आज प्रदेश में एयरपोर्ट, हवाई पट्टी विकास, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे, बलिया लिंक एक्सप्रेस वे के कार्य हो रहे हैं। राज्य सरकार ने अबतक गन्ना किसानों को सवा लाख करोड़ रुपए के गन्ना मूल्य का भुगतान कराया है। करण्ट ईयर में आधे से अधिक का गन्ना मूल्य का भुगतान कराया जा चुका है। कोरोना काल में भी सभी एक सौ उन्नीस चीनी मिलें संचालित की गईं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लगभग छत्तीस लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की। छियासठ लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है। किसानों को ग्यारह हजार करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया गया है। राज्य सरकार द्वारा मक्के की खरीद कर किसानों को करीब दो सौ करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के ढाई करोड़ बयालीस लाख किसानों को लाभान्वित किया गया है। इसके लिए राज्य को भारत सरकार से प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में चालीस लाख आवास उपलब्ध कराए गए हैं। करीब ढाई करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित किया गया। चौवन लाख कामगार श्रमिक,स्ट्रीट वेण्डर्स आदि को भरण पोषण भत्ते का लाभ मिला। कामगारों श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा तथा सर्वांगीण विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उत्तर प्रदेश कामगार एवं श्रमिक सेवायोजन एवं रोजगार आयोग का गठन किया गया है। एक करोड़ अड़तीस लाख घरों में निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं। सत्तासी लाख से अधिक लोगों को वृद्धावस्था महिला व दिव्यांगजन पेंशन दी गई है। हर घर नल योजना के तहत तीस हजार ग्राम पंचायतों में शुद्ध पेयजल योजना लागू की गई है। हर जिला मुख्यालय को फोर लेन से तथा तहसील मुख्यालयों और विकास खण्ड मुख्यालयों को दो लेन से जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश मे फिल्म सिटी के निर्माण की कार्यवाही भी प्रगति पर है। उत्तर प्रदेश मे इण्डस्ट्रियल डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है। एक जनपद, एक उत्पाद योजना के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। प्रयागराज कुम्भ में तीर्थयात्रियों की संख्या सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्था के नए वैश्विक रिकार्ड बने। इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री में बड़ा निवेश हो रहा है। तीन वर्ष पूर्व प्रदेश में अभूतपूर्व इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। इसके कुछ महीने बाद शिलान्यास समारोह का भी आयोजन हुआ। निवेश का दूसरा आयोजन भी सफल रहा। डिफेंस एक्सपो से भी बढ़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव हासिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने न्यू यूपी का रोडमैप तैयार किया था। जिसमें एक जिला एक उत्पाद, निवेश, कृषि का विकास, ढांचागत विकास, तीर्थाटन पर्यटन शिक्षा, स्वास्थ्य, अवस्थापना सुविधा आदि अनेक विषय शामिल किये गए थे। इस दिशा में भी कार्य चल रहा है। योगी सरकार से पहले प्रदेश में अठारह प्राइवेट यूनिवर्सिटी थी। इस सरकार में अट्ठाइस निजी यूनिवर्सिटी को एक साथ अनुमति दी गई। इसके अलावा आठ नई राजकीय यूनिवर्सिटी बनेगी। बेसिक शिक्षा में एक करोड़ अस्सी लाख बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें,यूनिफार्म स्वेटर जूते मोजे दिए जा रहे हैं। इस समय में प्रदेश में चार एक्सप्रेस वे निर्माणाधीन हैं। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जोड़ते हुए विकसित किया जा रहा है। यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सभी जनपदों को जोड़ते हुए चित्रकूट तक जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और मेरठ से प्रयागराज तक के छह सौ किमी लम्बाई के गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण की कार्यवाही गतिमान है। इन एक्सप्रेस-वे के निर्माण के साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों में औद्योगिक क्लस्टर के विकास पर भी कार्य किया जा रहा है। जाहिर है कि नरेंद्र मोदी ने तथ्यों के आधार पर ही योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की है। इस प्रकार उन्होंने विधानसभा चुनाव का एजेंडा भी निर्धारित कर दिया। नेतृत्व और उपलब्धियों के साथ भाजपा चुनावी समर में उतरेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अंग्रेजों के जमाने का तो बहुत कुछ है, क्या-क्या बदलें

- सियाराम पांडेय 'शांत'

कोई भी देश संविधान से चलता है। कानून से चलता है। इसलिए कानून को हटाने में नहीं, उसे जनता के हितों के अनुरूप बनाने, उसे संशोधित-परिमार्जित करने के प्रयास होने चाहिए। भारत जैसे विविधतापूर्ण और बड़ी आबादी वाले देश के लिए जितनी जरूरत कड़े कानून निर्माण की है, उतनी ही जरूरत असहमति के अधिकारों की रक्षा की भी है। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बने टाडा, पोटा जैसे कानून को सिर्फ इसलिए खत्म करना पड़ा था क्योंकि उनका दुरुपयोग होने लगा था। आज जब देश आए दिन आतंकवादी घटनाओं का सामना कर रहा है, ऐसे में कठोर कानूनों की देश को बड़ी जरूरत है लेकिन जिस तरह मकोका, यूपीपीए और 124 ए को लेकर विवाद हो रहा है, उस पर गहन मंथन की भी जरूरत है। 124 ए ऐसी धारा है जो राजद्रोह और देशद्रोह दोनों पर लगती है। ऐसे में भी इसे परिभाषित किए जाने की महती आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने अंग्रेजों के जमाने में बने राजद्रोह कानून पर चिंता जाहिर की है। केंद्र सरकार से यह जानना चाहा है कि वह इसे हटा क्यों नहीं रही है? शीर्ष अदालत को भी लगता है कि इस कानून का दुरुपयोग हो रहा है। अभिव्यक्ति की आजादी बाधित हो रही है। जाहिर तौर पर यह टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय खंडपीठ ने सेना के एक निवर्तमान अधिकारी की जनहित याचिका पर दिया है। अदालतें किसी याचिका के आलोक में ही अपनी बात कहती हैं। यह बात और है कि केंद्र सरकार ने कहा है कि वह इस कानून को हटाने नहीं जा रही है। शीर्ष अदालत चाहे तो ऐसे निर्देश दे सकती है जिससे इस कानून का दुरुपयोग न हो। लार्ड मैकाले द्वारा 1833 में ड्राफ्ट कानूनों पर अगर वर्ष 2021 में न्यायिक विमर्श की जरूरत पड़ रही है तो इसे क्या कहा जाएगा। जिस राजद्रोह कानून को उसके जन्मस्थल ब्रिटेन में 2009 में ही औचित्यहीन करार देते हुए समाप्त कर दिया गया हो, ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड ने 2010 में, दक्षिण कोरिया ने 1988 में और इंडोनेशिया ने 2007 में ही खत्म कर दिया हो, उसे भारत अभीतक क्यों ढो रहा है, यह विचारणीय तथ्य है। लार्ड मैकाले की आत्मा आखिर कबतक इस देश के कायदे-कानून पर अपना चाबुक चलाती रहेगी। हमें एक औपनिवेशिक राजद्रोह कानून की तो चिंता है लेकिन भारतीय संविधान के जरिए पूरा भारत आज भी ब्रिटेन का उपनिवेश बनकर रह गया है, इस बात का विचार न तो देश का बुद्धिजीवी करता है, न राजनेता और न ही कोई न्यायविद। इसमें शक नहीं कि इस देश को लूटने और यहां शासन करने की गरज से अंग्रेजों ने 34735 कानून बनाए थे। देश आजादी के बाद हमें उन कानूनों से पिंड छुड़ा लेना चाहिए था लेकिन उनमें से अधिकांश का अनुपालन भारत में बदस्तूर हो रहा है। इंडियन एजुकेशन एक्ट 1858 को ही हम कहाँ बदल पाए हैं। जिस कानून के चलते 1850 तक देश में चल रहे 7 लाख 32 हजार गुरुकुलों को, यहां तक कि संस्कृत भाषा को भी अवैध घोषित कर दिए गए थे।अंग्रेजी इस देश पर लाद दी गई थी, उस कानून को हम भारतीय आज तक ओढ़े-बिछाए जा रहे हैं। अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा देने लिए अंग्रजों ने जो तीन विश्वविद्यालय कलकत्ता यूनिवर्सिटी, बॉम्बे यूनिवर्सिटी और मद्रास यूनिवर्सिटी स्थापित कीं, वे हैं तो आखिर गुलामी की दस्तावेज ही लेकिन आज भी चल रही है। क्या इन्हें बंद करना मौजूदा परिवेश में उचित होगा। कलकत्ता और खासकर विक्टोरिया हाउस को प्रदूषण से बचने के लिए लाया गया द बंगाल स्मोक न्यूसेंस एक्ट 1905 तो आज भी वजूद में है। यूपी प्रोविंशियल एक्ट 1932, इंडियन पुलिस एक्ट, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872, भारतीय दंड संहिता सब तो अंग्रेजों के जमाने की है। पुलिस की खाकी वर्दी का चलन सर हैरी बैनेट ने 1847 में किया था। वह खाकी वर्दी आज भी भारतीय पुलिसकर्मियों के बदन पर है। आपत्ति तो किसी भी बिंदु पर हो सकती है। जहां तक अभिव्यक्ति कि आजादी की बात है तो यह भी तय होना चाहिए कि व्यक्ति को वही बोलना चाहिए जो जनहितकारी हो और किसी का दिल न दुखाए। देश के विकास में रोड़ा न अटकाए। विकास कार्य में व्यवधान डालने वालों, देश को टुकड़े-टुकड़े करने का दावा करने वालों, अपने घरों पर पाकिस्तानी झंडा फहराने या देश विरोधी नारे लगाने वालों, आतंकवादियों का साथ देने वालों की अभिव्यक्ति की आजादी को महत्व देना कितना जरूरी है, विचार तो इस पर भी होना है। जो राजनीतिक दल संविधान की हत्या का आरोप लगा रहे हैं, वे क्या इस देश को बताएंगे कि भारतीय संविधान की चादर पर संशोधनों के कितने पैबंद लग चुके हैं। भारतीय संविधान में भारतीय कहने के लिए क्या कुछ अपना है? वह कितना मौलिक है।संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सोवियत संघ, जापान और फ्रांस के उधार के कानूनों के आधार पर हम कबतक अपने विधि ज्ञान का बखान करते रहेंगे। भारत के अधिकांश कानून अंग्रेजों के जमाने के बने हैं। ज्यादातर के निर्माण की अवधि 1860 से 1946 के बीच की है। टोडरमल कानून के तहत पुश्तैनी काम का अधिकार का हवाला देते हुए बिहार में एक व्यक्ति ने गंगा नदी पर अपने मालिकाना हक का केस कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अशोक पांडेय नामक एक वकील ने वकीलों के कोट, गाउन और बैंड की वैधता पर सवाल उठा दिया है और कोर्ट ने इस बाबत केंद्र सरकार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया और हाइकोर्ट प्रशासन से जवाब मांगा है। देश की बड़ी अदालतों में आज भी अंग्रेजों की भाषा का ही वर्चस्व है। हिंदी से न्याय आंदोलन के जनक न्यायविद चंद्रशेखर उपाध्याय लंबे अरसे से संविधान की धारा 348 में संशोधन करने और बड़ी अदालतों में हिंदी और अन्य भारतीयों भाषाओं में कामकाज और निर्णय की मांग कर रहे हैं। अगर हम भारतीयता का सम्मान करते हैं तो जनहित में इतना तो कर ही सकते हैं।

आज के ट्वीट

पूर्ण सफलता की कामना

मुंबई के चेंबूर और विक्रोली में भारी वर्षा के कारण हुए हादसों में कई लोगों के हताहत होने की खबर से अत्यंत दुःख हुआ। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं तथा राहत व बचाव कार्य में पूर्ण सफलता की कामना करता हूं। : ***President of India***

खुशी

जग्गी वासुदेव, धर्म, धार्मिक लेख

प्रसन्न या अप्रसन्न रहना मूल रूप से आप का ही चुनाव है। लोग इसलिए दु:खी रहते है क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि दु:खी रहने से उन्हें कुछ मिलेगा। यह पढ़ाया जा रहा है कि अगर आप पीड़ा भोग रहे हैं तो आप स्वर्ग मे जाएंगे। पर, यदि आप दु:खी इंसान हैं तो आप स्वर्ग में जा कर भी क्या करेंगे? नर्क आप के लिए ज्यादा घर जैसा होगा! जब आप दुःखी ही हैं, तो आप को कुछ भी मिले, क्या फर्क पड़ेगा? यह कोई दार्शनिक बात नहीं है, आप का सच्चा स्वभाव है। स्वाभाविक रूप से तो आप प्रसन्न रहना चाहेंगे। मैं आप को कोई उपदेश नहीं दे रहा हूं, 'खुश रहो, तुम्हें खुश रहना चाहिए'। हर प्राणी आनंदित रहना चाहता है। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, हर वो काम जो आप कर रहे हैं, वह किसी न किसी रूप में खुशी पाने के लिए ही कर रहे हैं। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नही पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। उदाहरण के लिए, आप लोगों की सेवा करना क्यों चाहते हैं? बस, इसलिए कि सेवा करने से आप को खुशी मिलती है! कोई अच्छे कपड़े पहनना चाहता है, कोई बहुत सारा धन कमाना चाहता है क्योंकि इससे उनको खुशी मिलती है। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नही पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। खुशी जीवन का मूल लक्ष्य है। आप स्वर्ग जाना क्यों चाहते हैं? सिर्फ इसलिए कि किसी ने आपको बताया है कि अगर आप स्वर्ग जाएंगे तो खुश रहेंगे। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उस सब को कर लेने के बाद भी अगर आप को खुशी नहीं मिलती है, तो इसका अर्थ यही है कि जीवन की किन्हीं मूल बातों को आप चूक गए हैं। आप जब बच्चे थे तो आप ऐसे ही खुश रहते थे। फिर, आगे के रास्ते में, कहीं ये आप से खो गया। आप ने इसे क्यों खोया? आप ने अपने आसपास की बहुत सारी वस्तुओं से अपनी पहचान बना ली-आपका शरीर, आपका मन। आप जिसे अपना मन कहते हैं, वो कुछ और नहीं है, बस वे सारी सामाजिक बातें हैं, जो आपने अपने आसपास की सामाजिक परिस्थितियों में से ले ली हैं।

सू-दोकू नवताल · 2082

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

सू-दोकू - 2081 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2082

बायें से दायें:-

1. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-3
3. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-3
5. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-2
7. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-3
8. आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
9. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-3
11. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-3
12. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-2
13. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-2
14. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-3
15. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-3
17. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-2
19. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-3
21. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-2
23. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-3
25. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-3
26. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-2
27. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-2
29. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-3
31. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-2,3
34. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-2
35. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छक्ष' गीत वाली फिल्म-3
2. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
3. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-4
4. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
6. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-4
10. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-3
12. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-3
15. संदीप कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-3
16. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-3
18. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते हैं' गीत वाली फिल्म-3
20. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-4
22. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-3
24. 'नूरेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
28. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-2
30. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-2
32. रितिक, करीना की 'ऐ री रे ऐ री क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-2
33. 'तेरे दिल को तू जाने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2081

निवेशकों ने जून तिमाही में गोल्ड ETF में किया 1,328 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली: निवेशकों ने गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेट कोषों (ईटीएफ) में जून, 2021 को समाप्त तिमाही में 1,328 करोड़ रुपए का निवेश किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष के शेष महीनों में निवेश का यह प्रवाह जारी रहेगी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। पिछले साल समान तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का आंकड़ा 2,040 करोड़ रुपए रहा था। क्वॉन्टम म्यूचुअल फंड के वरिष्ठ कोष प्रबंधक (वैकल्पिक निवेश) चिराग मेहता ने कहा कि कोविड-19 महामारी की स्थिति को देखते हुए पिछले साल जून तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश उल्लेखनीय रहा था। ''इस साल जून की तिमाही में अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद के बीच निवेश का प्रवाह कुछ कम रहा है। मार्केट पल्स के मुख्य उत्पाद अधिकारी अरशद फहीम ने कहा कि पिछले साल गोल्ड ईटीएफ में महामारी की वजह से संपत्ति की कीमतों को लेकर अनिश्चितता बढ़ने और मुद्रास्फीति की वजह से निवेश बढ़ा था। इसी तरह की राय जताते हुए ग्रीन पोर्टफोलियो के सह-संस्थापक दिवम शर्मा ने कहा कि 2020-21 की पहली छमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह काफी मजबूत रहा था। कोविड-19 की पहली लहर के बीच अनिश्चितता के चलते गोल्ड ईटीएफ की ओर निवेशक आकर्षित हुए थे। उन्होंने कहा, ''कारोबारी गतिविधियां शुरू होने तथा शेयर बाजारों के शानदार प्रदर्शन की वजह से अब निवेशक सोने से निवेश को स्थानांतरित कर रहे हैं। बिटकॉइन की वजह से भी सोने में आवंटन प्रभावित हुआ है। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, 2021 के पहले तीन माह में गोल्ड ईटीएफ में 1,779 करोड़ रुपए का निवेश आया। उसके बाद के तीन महीनों में निवेश का आंकड़ा 1,328 करोड़ रुपए रहा। निवेश का प्रवाह घटने के बावजूद गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) जून, 2021 के अंत तक बढ़कर 16,225 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं। जून, 2020 के अंत तक एयूएम 10,857 करोड़ रुपए रहा था।

ऐमजॉन प्राइम डे पर लघु एवं मझोले उद्यम के लिए यह है बड़ी योजना

-100 से अधिक एसएमबी की विभिन्न श्रेणियों में 2,400 नए उत्पाद करेंगे पेश

नई दिल्ली। ऐमजॉन इंडिया ने कहा है कि प्राइम डे के लिए 100 से अधिक लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमबी) विभिन्न श्रेणियों में 2,400 नए उत्पाद पेश करेंगे। इन एसएमबी में स्टार्टअप इकाइयां, महिला उद्यमी, कारीगर और बुनकर शामिल हैं। ऐमजॉन इस प्रमुख सेल कायक्रम का आयोजन भारत में 26-27 जुलाई को करने जा रही है। ई-कॉमर्स कारोबार की दिग्गज कंपनी ऐमजॉन ने रविवार को एक बयान में कहा, 100 से अधिक एसएमबी जिनमें स्टार्ट अप और ब्रांड, महिला उद्यमी, कारीगर और बुनकर शामिल हैं, विभिन्न श्रेणियों में 2,400 से अधिक उत्पाद पेश करेंगे। इनमें होम और किचन, फैशन, सौंदर्य, आभूषण, स्टेशनरी, लॉन और बगीचा, किराना और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि 450 से अधिक शहरों के ऐमजॉन पर 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानदार विक्रेता प्राइम डे पर पहली बार अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे। ऐमजॉन इंडिया के निदेशक प्रणव भसीन ने कहा, छोटे कारोबारियों को सशक्त करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए हम इस बार प्राइम डे एसएमबी को समर्पित कर रहे हैं। ऐमजॉन पर 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानदार प्राइम डे पर पहली बार अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे। सेल का आगाज 26 जुलाई को होगा। 26 से 27 जुलाई यानी दो दिन तक चलने वाली इस सेल में स्मार्टफोन्स को 40 फीसदी तक छूट में खरीदने का मौका होगा। ऐमजॉन प्राइम डे सेल 2021 सेल में रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स को भी सस्ते में खरीदा जा सकेगा। इस सेल के लिए ऐमजॉन ने एचडीएफसी बैंक के साथ साझेगारी की है। दो दिनों के सेल के दौरान ग्राहकों को कई सारे डील्स और डिस्काउंट्स मिल सकते हैं जिसमें स्मार्टफोन की डील भी शामिल है। ऐमजॉन प्राइम डे सेल को हर साल ऐमजॉन सबसे पहले प्राइम मेंबर्स के लिए लेकर आता है जिसमें ग्राहकों को अलग अलग डील्स पर फायदा मिलता है।

एफपीआई ने जुलाई में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 4,515 करोड़ रुपये निकाले

-चिंता की जरूरत नहीं, इस दौरान निवेशकों ने ऋण या बांड बाजार में 3,033 करोड़ रु डाले भी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से 4,515 करोड़ रुपये निकाले हैं। इस दौरान भारतीय बाजार के प्रति एफपीआई का रुख सतर्कता भरा रहा है। मॉर्निंगस्टोर इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, इस समय बाजार अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर है। ऐसे में एफपीआई ने मुनाफा काटने का विकल्प चुना है। ऊंचे मूल्यांकन की वजह से भी वे अधिक निवेश नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा महामारी की संभावित तीसरी लहर के जोखिमों को लेकर भी वे सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि डॉलर में लगातार मजबूती तथा अमेरिका में बॉन्ड पर प्राप्ति बढ़ने की संभावना भारत जैसे उभरते बाजारों में पूंजी प्रवाह की दृष्टि से अच्छी नहीं है, लेकिन इसको लेकर तत्काल चिंता करने की जरूरत नहीं है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने एक से 16 जुलाई के दौरान शेयरों से 4,515 करोड़ रुपये की निकासी की। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 3,033 करोड़ रुपये डाले भी। इस दौरान उनकी शुद्ध निकासी 1,482 करोड़ रुपये रही। जून में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 13,269 करोड़ रुपये डाले थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि 2021 में अभी तक एफपीआई की गतिविधियां काफी उतार-चढ़ाव वाली रही हैं।

पेट्रोल पंप की डीलरशिप के लिए फेक ऑफर से रहें सावधानः इंडियन ऑयल

मुंबई। इंडियन ऑयल न लोगों को चेताया है कि ये दि आपके पास पेट्रोल पंप की डिस्ट्रीब्यूटरशिप को लेकर कोई ऑफर आया है तो सावधान हो जाएं। यह ऑफर फर्जी हो सकता है और आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है। इंडियन ऑयल ने एक ट्वीट के जरिए इस बारे में बताया है। इंडियन ऑयल ने कहा है कि ऐसा पता चला है कि अनाधिकृत लोग/एजेंसी इंडियन ऑयल के रिटेल आउटलेट्स यानी पेट्रोल पंप की डीलरशिप के लिए फेक ऑफर दे रहे हैं। इन फर्जी ऑफर के झांसे में न आएं, वर्ना भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इंडियन ऑयल ने ट्वीट में आगे कहा कि रिटेल आउटलेट से जुड़े ऑफर की सच्चाई जानने के लिए लोग कंपनी के निकटतम कार्यालय जा सकते हैं या फिर कंपनी की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। पेट्रोलपंपडीलरे चयनड्यटइन पोर्टल अकेले इंडियन ऑयल के लिए नहीं है, यह बाकी पेट्रोलियम कंपनियों के लिए भी है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल अगर रिटेल आउटलेट के लिए डिस्ट्रीब्यूटरशिप की पेशकश करती हैं तो इसकी जानकारी वेबसाइट पर अपडेट की जाती है।

सीबीआई ने एस कुमार्स नेशनवाइड के खिलाफ 160 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ धोखाधड़ी के आरोप में कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला 160 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का है। सीबीआई ने यह मामला बैंक की शिकायत के बाद दर्ज किया है। बैंक का आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कंपनी और उसके प्रवर्तक और निदेशकों सहित प्रबंध निदेशक नितिन कासलीवाल और निदेशक विजय गोवर्धनदास कलंत्री, अनिल कुमार चन्ना, राजिंदर कृष्ण गर्ग और जगदीश संजीव रेड्डी शामिल हैं। बैंक के अनुसार एस कुमार्स नेशनवाइड ने बैंक से कई ऋण सुविधाएं ली हुई थीं, जो में गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में बदल गईं। केपीएमजी के फॉरेंसिक ऑडिट के बाद 2020 में इस खाते को 'धोखाधड़ी' वाला घोषित कर दिया गया था। बैंक का कहना है कि कंपनी ने अपनी 94 प्रतिशत बिक्री कुछ चुनिंदा वितरकों को ही दिखाई है और ग्राहकों से प्राप्तियों को बट्टे खाते में डालकर और संदिग्ध पुनः बिक्री लेनदेन को उसी ग्राहक के पास काफी रियायती दर पर दिखाया है। प्राथमिकी में बैंक ने आरोप लगाया है कि कंपनी और उसके निदेशकों ने 2013-2018 की अवधि के दौरान बैंक को गलत तरीके से 160.68 करोड़ रुपए नुकसान पहुंचाया और खुद लाभ कमाया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 69,611 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी):

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 69,611.59 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक तथा कोटक महिंद्रा बैंक के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. तथा बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 24,470.25 करोड़ रुपए बढ़कर 13,38,763.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 14,966.52 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,57,268.94 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 10,998.18 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 8,41,000.85 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी की 7,259.12 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,58,109.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 6,027.27 करोड़ रुपए के लाभ से 3,47,027.74 करोड़ रुपए पर और भारतीय स्टेट बैंक का 5,890.25 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,83,936.79 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 8,223.56 करोड़ रुपए घटकर 5,67,331.72 करोड़ रुपए रह गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 4,845.75 करोड़ रुपए घटकर 11,81,717.45 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,642.4 करोड़ रुपए घटकर 6,62,287.84 करोड़ रुपए तथा बजाज फाइनेंस का 570.4 करोड़ रुपए के नुकसान से 3,69,810.18 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस तथा कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 753.87 अंक या 1.43 प्रतिशत के लाभ में रहा।

वैश्विक स्तर पर महामारी की स्थिति में सुधार के बाद पहली तिमाही में देश से वाहनों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी):

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बाजारों में महामारी की स्थिति में सुधार के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश से यात्री कारों और दोपहिया से लेकर सभी वाहनों के निर्यात में सुधार दर्ज हुआ। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में देश से कुल वाहन निर्यात बढ़कर 14,19,430 इकाई पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 4,36,500 इकाई का रहा था। उस समय देश में कोविड-19 महामारी की वजह से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू था, जिससे वाहनों का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ था। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि जहां दोपहिया का निर्यात पिछले तीन साल की तुलना में बेहतर रहा है, वहीं यात्री वाहनों, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात अभी 2018-19 की पहली तिमाही के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने कहा, ''यदि हम 2021-22 के निर्यात के आंकड़ों की तुलना करें, तो दोपहिया का प्रदर्शन पिछले तीन साल की तुलना में अच्छा रहा है। हालांकि, यात्री वाहनों, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 2018-19 की पहली तिमाही से कम रहा है। अप्रैल-जून की तिमाही में यात्री वाहनों का निर्यात 1,27,115 इकाई रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 43,619 इकाई रहा था। इस दौरान यात्री कारों का निर्यात 79,376 इकाई, यूटिलिटी वाहनों का 47,151 इकाई तथा वैन का निर्यात 588 इकाई रहा। यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी ने 45,056 वाहनों का निर्यात किया। हुंदै मोटर का निर्यात 29,881 इकाई रहा। किआ मोटर्स ने इस दौरान 12,448 इकाई तथा फॉक्सवैगन इंडिया ने 11,566 वाहनों का निर्यात किया। तिमाही के दौरान दोपहिया का निर्यात बढ़कर 11,37,102 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 3,37,983 इकाई रहा था। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात बढ़कर 16,006 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 3,870 इकाई था। इस खंड में टाटा मोटर्स ने 6,653 वाहनों तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 3,931 वाहनों का निर्यात किया। पहली तिमाही में तिपहिया वाहनों का निर्यात बढ़कर 1,37,582 इकाई पर पहुंच गया, जो 2020-21 की पहली तिमाही में 50,631 इकाई रहा था। सभी श्रेणियों में घरेलू बाजार में थोक बिक्री पहली तिमाही में 31,80,039 इकाई रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 14,92,612 इकाई रही थी। इसकी तुलना में 2019-20 की पहली तिमाही में घरेलू बाजार में वाहनों की बिक्री 60,84,478 इकाई रही थी।

प्रौद्योगिकी पर 85 प्रतिशत अनुपालन पूरा, प्रतिबंध हटाने को गेंद रिजर्व बैंक के पाले में: एचडीएफसी बैंक

मुंबई (एजेंसी):

एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने शनिवार को कहा कि बैंक ने प्रौद्योगिकी से जुड़े भारतीय रिजर्व बैंक के 85 प्रतिशत निर्देशों का अनुपालन पूरा कर लिया है और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर लगी रोक को हटाने को लेकर गेंद अब रिजर्व बैंक के पाले में है। जगदीशन ने देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक के कार्यकारी प्रमुख के तौर पर उसकी पहली वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी को लेकर जांच पूरी हो चुकी है और केंद्रीय बैंक अब बैंक के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई को हटाने के समय को लेकर स्वतंत्र रूप से विचार करेगा। गौरतलब है कि एचडीएफसी बैंक में प्रौद्योगिकी से जुड़ी खामियों के चलते रिजर्व बैंक ने दिसंबर, 2020 में ऋणदाता के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई करते हुए उसके द्वारा नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी। एचडीएफसी बैंक इस क्षेत्र में बाजार का अगुआ था। साथ ही बैंक पर किसी भी तरह की नई डिजिटल पेशकश लाने पर भी रोक लगाई गई थी। जगदीशन ने कहा, हमने नियामक (रिजर्व बैंक) के परामर्शों एवं निर्देशों का पालन करते हुए प्रौद्योगिकी को लेकर की जा रही हमारी कार्रवाई के लिहाज से एक मिसाल पेश की है। इस समय तक हमने एक बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है। हमसे जो अपेक्षित था, उसका करीब 85 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा, गेंद अब नियामक के पाले में है। वे जैसा ठीक समझेंगे, वे जैसे देखेंगे कि हम सही राह पर है, मुझे यकीन है कि एक समय, वे रोक को हटा लेंगे।

जून में ज्यादातर क्षेत्रों में नियुक्ति गतिविधियां बढ़ीं: रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी):

देश में धीरे-धीरे लॉकडाउन हटाए जाने के साथ जून में ज्यादातर क्षेत्रों में नियुक्ति की गतिविधि में सकरात्मक वृद्धि दर्ज की गई। जॉब पोर्टल साइकी मार्केट नेटवर्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में नियुक्ति गतिविधियों में सुधार देखा गया, जो गैर-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भी सुधार का संकेतक है। यह आकलन जून में नई नौकरियों के लिए सूचीबद्धता पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया कि अब तक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र नौकरियों के लिहाज से तेज रफ्तार से बढ़ रहा था लेकिन जून में बाकी कई क्षेत्रों में भी नियुक्ति की गतिविधियों में सुधार दिखा। यह रिपोर्ट साइकी मार्केट नेटवर्क के जॉब पोर्टल पर डाली गई नियुक्ति संबंधी आंकड़ों पर आधारित है। इसके अलावा आंकड़े से पता चलता है कि मई की तुलना में जून में बैंकिंग क्षेत्र में नियुक्तियों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नियुक्ति के लिहाज से आईटी एवं बीपीओ जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों में 18-18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई जबकि फार्मा क्षेत्र में यह वृद्धि 16.9 प्रतिशत, स्वास्थ्य क्षेत्र में 20 प्रतिशत, बीमा क्षेत्र में 12 प्रतिशत, खुदरा क्षेत्र में पांच प्रतिशत, शिक्षा क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत और एफएमसीजी क्षेत्र में 16 प्रतिशत थी। इसके अलावा बिक्री, मानव संसाधन, विपणन आदि क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, दूरसंचार क्षेत्र में इस साल मई की तुलना में जून में नियुक्तियों में आठ प्रतिशत की कमी हुई। इसी बीच मुंबई (12 प्रतिशत), पुणे (छह प्रतिशत), दिल्ली (एक प्रतिशत), चेन्नई (12 प्रतिशत), हैदराबाद (12 प्रतिशत) और कोलकाता (20 प्रतिशत) जैसे टियर-1 शहरों में मई की तुलना में जून में नियुक्ति की गतिविधियों में दो अंकीय मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इन शहरों में पहले कई बार लॉकडाइन लगाए गए थे। हालांकि, बेंगलुरु में नियुक्ति गतिविधियां दो प्रतिशत की घट गईं। जयपुर और अहमदाबाद जैसे दूसरी श्रेणी के शहरों में भी क्रमशः 30 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। कंपनी के सह संस्थापक करुणजीत कुमार धीर ने कहा, पिछले महीने नियुक्ति गतिविधियों ने जोर पकड़ा जिससे रोजगार की तलाश में लगे लोगों को कुछ राहत मिली। महामारी की वजह से आयी मंदी से आखिरकार नौकरियों के बाजार को एक सही रफ्तार से उबरते देखकर अच्छा लग रहा है। लॉकडाउन लगने के बाद से यह ज्यादातर क्षेत्रों के लिए एक बुरा दौर था। हमें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में यह सुधार और मजबूत होगा।

'वी' आकार का सुधार देख रहे हैं, 2021 में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करेंगे: लैम्बोर्गिनी

नई दिल्ली (एजेंसी):

इटली की सुपर स्पोर्ट्स कार कंपनी लैम्बोर्गिनी इस साल बिक्री के मामले में भारत में रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 महामारी से जुड़ी अड़चनों के बाद अब मांग में 'वी' आकार का सुधार देखने को मिल रहा है। टीकाकरण अभियान के बीच धारणा सकारात्मक हुई है। कंपनी भारतीय बाजार में 3.15 करोड़ रुपए से लेकर 6.33 करोड़ रुपए कीमत की सुपर लक्जरी कारें बेचती है। कंपनी ने 2019 में 52 इकाइयों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया था। कंपनी को उम्मीद है कि 2021 में वह इस आंकड़े को पीछे छोड़ देगी। इस साल कंपनी के कारोबार में अबतक 2019 की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। लैम्बोर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने कहा, ''हम वी आकार का मजबूत सुधार देख रहे हैं। मांग अब कोविड-19 की दूसरी लहर के पूर्व के स्तर पर पहुंच रही है। इसके अलावा टीकाकरण अभियान में तेजी के बीच भरोसा भी बढ़ रहा है।अग्रवाल ने कहा कि कंपनी अपने 2019 के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सही दिशा में अग्रसर है। 'यदि 2021 की पहली छमाही को देखें, तो हम चालू साल के लक्ष्य से पहले ही 20 प्रतिशत आगे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2019 की पहली छमाही की तुलना में हम नए ऑर्डरों के मामले में 20 प्रतिशत आगे हैं।

इसी तरह ग्राहकों को डिलिवरी के मामले में भी हम 20 प्रतिशत आगे चल रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि हम कारोबारी प्रदर्शन के लिहाज से एक और रिकॉर्ड वर्ष के लिए सही राह पर हैं। उन्होंने कहा कि 2021 की दूसरी तिमाही में महामारी की दूसरी लहर की चुनौती के बावजूद हम वृद्धि की दृष्टि से सही दिशा में हैं।

सैमसंग वॉच 4 सीरीज नए चिपसेट, अधिक स्टोरेज के साथ होगा लॉन्च

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरियाई टेक कंपनी सैमसंग अपनी अपकमिंग गैलेक्सी वॉच4 सीरीज की स्मार्टवॉच को बिल्कुल नए एक्सिनॉस वॉट920 चिपसेट के साथ 11 अगस्त को लॉन्च कर सकती है। सैममोबाइल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस नए चिपसेट में पहले के कम्पैरिजन में बेहतार लाभ मिलेगा। उदाहरण के लिए, 2018 की गैलेक्सी वॉच की सभी सैमसंग घड़ियों ने 10एनमएक्सिनॉस 9110 का उपयोग किया है। नई रिपोर्ट बतात है कि वॉट920 ओएस एक्सिनॉस 9110 की तुलना में 1.25ऐस फास्ट प्रोसेसर टाइम और 8.8ऐस स्मूथ ग्राफिक्स प्रदर्शन दिया गया है। जीएसएमअरेना ने बताया कि नया चिपसेट 1.5जीबी रैम के साथ जोड़ा जाएगा जो कि पिछली गैलेक्सी वॉच की तुलना में एक और अपग्रेड है। ज्यादा पॉवर के साथ, गैलेक्सी वॉच 4 सीरीज में गूगल के वेयर ओएस फील के आधार पर वन यूआई वॉच बनाया गया है। बैटरी भी स्मूथ परफॉर्म करेगी। इस वॉच मे दोगुनी स्टोरेज भी दिया गया है। बात दें कि गैलेक्सी वॉच3 सीरीज में 8जीबी का इंटरनल स्टोरेज थी। वही अपग्रेड वॉच 4 में 16 जीबी के साथ पेश किया गया है। सैमसंग के स्मार्ट वॉच नए वन यूआई वेयर ओएस पर आधारित है,जिसकी वजह से गूगल प्ले स्टोर से ज्यादा ऐप्स डाउनलोड किया जा सकता है और ऑडियो ट्रैक ऐप्स भी स्टोर कर सकते है।

सार समाचार

महाराष्ट्र धन शोधन मामला: ईडी ने अनिल देशमुख के दो आवासों पर मारे छापे

नागपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में रविवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के नागपुर जिले में दो निवास स्थानों पर छापे मारे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईडी के दो अलग-अलग दलों ने यहां से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित कटोल शहर में देशमुख के आवास और कटोल के समीप वाडविहीरा गांव में उनके पैतृक घर पर छापे मारे। उन्होंने बताया कि सुबह करीब छह बजे छापे मारे गए। अधिकारी ने बताया कि देशमुख के कटोल परिसर पर तलाशी अभी चल रही है जबकि वाडविहीरा में तलाशी दोपहर 12 बजे के आसपास पूरी हो गयी। ईडी कथित तौर पर करोड़ों रुपये के घूस एवं वसूली गिरोह मामले से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच कर रही है। इस मामले के चलते देशमुख को इस साल अप्रैल में गृह मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। केंद्रीय एजेंसी ने हाल ही में देशमुख के निजी सचिव संजीव पलांडे (51) और निजी सहायक कुंदन शिंदे (45) को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उसने इन दोनों और राकांपा नेता के मुंबई तथा नागपुर में स्थित आवासों पर छापे मारे थे। ईडी ने मामले में पूछताछ के लिए देशमुख को सम्मन भेजे थे लेकिन वह पेश नहीं हुए।

पश्चिम बंगाल: अंतर-धार्मिक विवाह करने वाला जोड़ा गांव छोड़ने को मजबूर, जांच जारी

रामपुरहाट (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में हाल में अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले दंपति को महिला के परिवार से कथित तौर पर मिली धमकी के बाद गांव छोड़कर कहीं और शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने रविवार को बताया कि वह मामले की जांच कर रही है। दंपति नलहाटी पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। दोनों के बीच कई साल से प्रेम संबंध थे और उन्होंने 25 जून को शादी की। पति ने कहा कि महिला के परिवार ने इस शादी को स्वीकार नहीं किया और वे विवाह के बाद से ही उन्हें धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''वे हमें गांव में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मैंने 13 जुलाई को नलहाटी पुलिस थाने को भी पत्र लिखा, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।'' दंपति गांव स्थित अपना घर छोड़कर दूसरे गांव में अपने एक रिश्तेदार के यहां रह रहा है। इसी बीच महिला के पिता ने अपने दामाद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया है। बीरभूम जिले के पुलिस अधीक्षक नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा, ''हम मामले की जांच कर रहे हैं।

तमिलनाडु में दिसंबर से पहले होंगे शहरी स्थानीय निकाय चुनाव

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार दिसंबर 2021 से पहले शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराएगी। इसकी घोषणा नगरपालिका प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू ने की। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के विधानसभा के बजट सत्र के दौरान इस पर बयान देने की उम्मीद है। शनिवार को एक बयान में, मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2021 से पहले राज्य के नौ नए जिलों में ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। द्रमुक ने पहले अपने चुनावी घोषणा पत्र में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का जिक्र नहीं किया था, लेकिन यह देखने के बाद कि सरकार जनता के बीच लोकप्रिय हो गई है, मुख्यमंत्री और उनकी करीबी टीम शहरी स्थानीय निकाय चुनाव जल्द कराने के इच्छुक हैं। के.एन. नेहरू ने बयान में कहा, मुख्यमंत्री ने हमें नए नौ जिलों में ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों के दो महीने बाद शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी करने का निर्देश दिया है। मंत्री के बयान के अनुसार, राज्य सरकार ग्रामीण स्थानीय निकायों को परेशान नहीं करेगी, जिन्होंने दिसंबर 2019 में पदभार ग्रहण किया था और ये निकाय अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

जनसंख्या नियंत्रण पर बहस चुनावों से पहले ध्रुवीकरण का प्रयास है: जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण के प्रस्तावित कदमों को लेकर शनिवार को दावा किया कि यह समाज का ध्रुवीकरण करने और विधानसभा चुनावों से पहले सांप्रदायिक एजेंडे को जिंदा रखने का भाजपा का प्रयास है। रमेश ने यह आरोप लगाया कि हर चुनाव से पहले गैर जरूरी मुद्दों को आगे करके अपनी विफलताओं को छिपाने में भाजपा अव्वल है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''यह कुछ नहीं, बल्कि समाज का ध्रुवीकरण और सांप्रदायिक एजेंडे को जीवित रखने का भाजपा का प्रयास है।'' उन्होंने साल 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए भी भाजपा पर निशाना साधा। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''जनसंख्या में गिरावट का महत्वपूर्ण बिंदु तब आता है जब प्रजनन क्षमता का प्रतिस्थापन स्तर 2.1 तक पहुंच जाता है। इसके एक या दो पीढ़ी के बाद, जनसंख्या या तो स्थिर हो जाती है या घटती है। ये सबसे पहले 1988 में केरल में हुआ, फिर पांच साल बाद तमिलनाडु में हुआ।'' रमेश के अनुसार, ''अब तक भारत के अधितर राज्यों ने प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर को हासिल कर लिया है। 2026 तक झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश भी ऐसा कर लेंगे, जिसमें सबसे अंतिम राज्य बिहार है और यह भी 2030 तक इस स्तर को हासिल कर लेगा।'' उन्होंने 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण में दिए प्रजनन दर संबंधी आंकड़े साझा करते हुए कहा, ''मुझे संदेह है कि भाजपा में ज्यादातर लोग इस बुनियादी तथ्य से अवगत हैं, जो मोदी सरकार द्वारा जुलाई 2019 में संसद में पेश किये गए अपने 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण में दर्शाया गया था।

कमलनाथ के राष्ट्रीय राजनीति में जाने की चर्चा से प्रदेश के कांग्रेसी चिंतित

भोपाल (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ती सक्रियता और उनको पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की चचाओं ने राज्य के कांग्रेसी नेताओं को चिंतित कर दिया है। हर किसी को इस बात का डर सताने लगा है कि अगर कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में चले गए तो राज्य में फिर गुटबाजी का नया दौर शुरू हो जाएगा।

बीते लगभग एक माह से कांग्रेस के अंदर चल रही गतिविधियों ने यह संकेत तो दे ही दिए हैं कि कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में जरूरत महसूस की जाने लगी है। ऐसा इसलिए क्योंकि कमलनाथ एक ऐसे नेता हैं जिनकी गांधी परिवार से नजदीकियां है और उनका किसी गुट से नाता नहीं रहा। यही कारण है कि राजस्थान में चले विवाद का मसला हो या फिर पंजाब का, उसमें पार्टी हाईकमान ने कमलनाथ की मदद ली है।

कमलनाथ की लगातार दिल्ली में सक्रियता बढ़ रही है और वे पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के अलावा महासचिव प्रियंका गांधी से भी मुलाकात कर चुके हैं। इसके चलते संभावनाएं इस बात की बढ़ गई है कि आने वाले समय में कमलनाथ को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि उनको कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया जा सकता है।

कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में जाने की चल रही चचाओं ने राज्य के कांग्रेसी नेताओं को चिंता में डाल दिया है। यही कारण है कि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को पार्टी में बिखराव की चिंता सताने लगी है। उनका कहना है, कमलनाथ ऐसे नेता है जो सभी को एकजुट रखने में कामयाब रहे हैं, इसलिए उनकी राज्य को जरूरत है। अगर वे राष्ट्रीय राजनीति में भी जाते हैं तो उन्हें मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रखा जाए ऐसी वे हाईकमान से मांग करेंगे।

कांग्रेस के अन्य नेता भी यही बात मान रहे हैं। उनका कहना है कि कमलनाथ ने जब प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाली थी तब राज्य में कई गुट हुआ करते थे। धीरे-धीरे गुटबाजी खत्म हो गई और आज पूरी कांग्रेस एक है। अगर कमलनाथ यहां से चले गए तो फिर पार्टी गुटों में बट जाएगी और वर्ष 2023 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में पार्टी सत्ता में पहुंचने का सपना पूरा नहीं कर पाएगी।

राजनीतिक विष्लेषक सजि थॉमस का कहना है, कांग्रेस बहुत लंबे अरसे बाद एकजुट नजर आती है। उसका बड़ा कारण यह है कि तमाम गुट खत्म हो चुके हैं। इसकी बड़ी वजह कमलनाथ का राजनीतिक अनुभव और उनकी वरिष्ठता है। इन स्थितियों में अगर कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में जाते हैं तो मध्यप्रदेश में कांग्रेस में बिखराव की संभावना बनी रहेगी इसलिए कांग्रेसी नेताओं का चिंतित होना स्वाभाविक है। कांग्रेस कभी गुटों का पर्याय होती थी, अब ऐसा नहीं है। कमल नाथ राष्ट्रीय राजनीति में जाते है तो राज्य में कांग्रेस को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली में तीसरी लहर के दौरान प्रतिदिन 40 हजार मामले आ सकते हैं: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा ने कहा है कि विदेशों में जिस तरह से कोरोना की तीसरी लहर ने कहर ढाना शुरू कर दिया है, उससे सबक लेते हुए दिल्ली की केजरीवाल को भी संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारियों में तेजी लानी चाहिए। आईआईटी दिल्ली की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर के दौरान प्रतिदिन 40 हजार केस आ सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जिस तरह से पहली और दूसरी कोरोना की लहर में लापरवाही दिखाई, अगर वैसे ही हालात रहे तो यह वास्तव में घातक सिद्ध होगा। उन्होंने केजरीवाल सरकार को चेताया कि तीसरी लहर के लिए सभी इंतजाम करें। ताकि पहले की तरह लहर आने पर हाथ खड़े कर जिम्मेदारियों को केंद्र सरकार पर डालने की कोशिश न करें।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आईआईटी दिल्ली की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, दिल्ली को कोरोना के सबसे बुरे दौर से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। दिल्ली में तीसरी लहर के दौरान प्रतिदिन 40 हजार तक मामले आ सकते हैं। जिनमें से नौ हजार मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए 500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत होगी।

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश, 21 जुलाई तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

वलसाड। (एजेंसी)।

दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में रविवार को भारी बारिश हुई जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और वलसाड, वापी तथा नवसारी में कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार सुबह तक राज्य के विभिन्न हिस्सो में भारी बारिश होने की संभावन जताई गई है। विभाग के कहा, 'दक्षिण गुजरात और आसपास के क्षेत्र में समुद्र तल से 2.1 किलोमीटर ऊपर चक्रवाती दबाव का क्षेत्र बन रहा है।' विभाग ने 21 जुलाई तक मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है। वलसाड जिले के उमरगाम और वापी के निचले इलाकों में पानी भर गया तथा सड़कों पर जलजमाव हो गया जिससे यातायात प्रभावित रहा। वलसाड और वापी में कई बाजार तथा आवासीय क्षेत्र में भी जलभराव की स्थिति है। इसके अलावा नवसारी जिले के चिखली, गणदेवी और खेरगाम तालुका तथा सूरत के कामरेज और बारडोली में भी भारी बारिश हुई। राज्य आपदा परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार वलसाड जिले के वापी तालुका में सुबह छह बजे से छह घंटे में 226 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि इसी दौरान उमरगाम में 232 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। एसईओसी के अधिकारियों ने बताया कि वलसाड तालुका में 143 मिलीमीटर बरसात हुई और जलालपुर में 146 मिलीमीटर बारिश हुई। इनके अलावा नवसारी तालुका में 120 मिलीमीटर, नवसारी के गणदेवी में 119 मिलीमीटर और सूरत के कामरेज में 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वलसाड के अतिरिक्त जिलाधिकारी एन ए राजपूत के अनुसार, जिले के उमरगाम, वलसाड और वापी तालुका में सुबह से भारी बारिश हो रही है। उन्होंने कहा, 'निचले इलाकों में हमारी टीम तैनात है। बारिश अभी रुकी है और कई क्षेत्रों से पानी निकलना शुरू हो गया है। अग्निशमन विभाग के दलों को भी महत्वपूर्ण ठिकानों पर तैनात किया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों की मदद की जा सके।' आईएमडी के अनुसार, अब तक गुजरात में 36 प्रतिशत कम बारिश हुई है। आईएमडी ने अलग से जारी एक विज्ञप्ति में मछुआरों को 21 जुलाई तक उत्तर और दक्षिण गुजरात के तटों से अरब सागर में नहीं जाने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

सभी को पानी मुहैया कराने के लिए दिल्ली सरकार पूरी कोशिश कर रही है : केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में पानी का उत्पादन रविवार को बढ़कर ''अब तक के सर्वाधिक'' 95 करोड़ 50 लाख गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) के स्तर पर पहुंच जाने के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि उनकी सरकार शहर में सभी को पानी मुहैया कराने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। पिछले कुछ सप्ताह से शहर के कई इलाकों में जलसंकट बना हुआ है और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री आवास समेत कई जगहों पर प्रदर्शन किए। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''सरकार सभी को पानी मुहैया कराने की पूरी कोशिश कर रही है। हमारे इंजीनियर विपरीत परिस्थितियों में भी दिन-रात लगातार काम कर रहे हैं।''

इस बीच, 'आप' विधायक और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि पानी का उत्पादन बढ़ गया है। चड्ढा ने ट्वीट किया, ''मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली जल बोर्ड आम तौर पर होने वाले 910 एमजीडी उत्पादन की तुलना में इस वक्त अब तक के सर्वाधिक 955 एमजीडी पानी का उत्पादन कर रहा है। यमुना नदी में पानी की पर्याप्त उपलब्धता और इंजीनियरिंग समाधानों के कारण हम उत्पादन के उच्चतम स्तर पर पहुंच पाए हैं।''

उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले शुक्रवार को हरियाणा से छोड़ा गया 1,60,000 क्यूसेक पानी दिल्ली पहुंचा और राष्ट्रीय राजधानी में जल शोधन संयंत्र उच्चतम स्तर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इससे पूर्व बताया था कि हरियाणा द्वारा दिल्ली के हिस्से का पानी रोके जाने के बाद वजीराबाद बैराज में यमुना का जलस्तर सोमवार को 56 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। डीजेबी ने पिछले रविवार को उच्चतम न्यायालय का रुख कर हरियाणा को दिल्ली के हिस्से का पानी जारी करने के संबंध में निर्देश देने का अनुरोध किया था। बोर्ड शहर में 1,150 एमजीडी की मांग की तुलना में 935 एमजीडी पानी की आपूर्ति कर रहा है।

यूपी में मुख्यमंत्री बने रहेंगे योगी, विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारी पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा द्वारा प्रशंसा के शब्दों ने ना केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आलोचकों को चुप कराया है, बल्कि यह भी बताया है कि अगले साल के विधानसभा चुनावों में योगी ही पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी ने आईएएनएस को बताया, अब कार्यकताओं के बीच अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी के चेहरे को लेकर सभी शंकाएं दूर हो गई हैं। पार्टी के हालिया कदमों से पता चला है कि केंद्रीय नेतृत्व को योगी आदित्यनाथ सरकार पर पूरा भरोसा है और भाजपा उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मई में, तत्कालीन केंद्रीय श्रम मंत्री गंगवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने संसदीय क्षेत्र बरेली में कोविड की दूसरी लहर से निपटने में कुप्रबंधन की ओर इशारा किया था। इसी महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान गंगवार को हटा दिया गया था। हाल ही में जिला पंचायत और ब्लॉक प्रधान चुनावों में भगवा पार्टी की प्रचंड जीत ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के राजनीतिक कौशल को भी स्थापित किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्षी पार्टी द्वारा राज्य मशीनरी के दुरुपयोग के आरोपों के बावजूद, एक बात स्पष्ट है कि वह (आदित्यनाथ) खेल खेलना जानते हैं। परिणाम बताते हैं कि वह राजनीति के सभी गुर जानते हैं। प्रधानमंत्री और नड्डा के शब्दों ने आदित्यनाथ सरकार को बढ़ावा दिया है, जिसे दूसरी कोविड लहर से निपटने के लिए विपक्ष और पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ रहा था। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि एक के बाद एक प्रशंसा के शब्दों ने आदित्यनाथ के विरोधियों के खिलाफ एक कड़ा संदेश दिया कि उन्हें उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

कांग्रेस के हितों की कीमत पर नहीं करेंगे कोई भी गठबंधन : प्रियंका गांधी वाद्रा

लखनऊ। (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में दूसरे दलों से गठबंधन को लेकर उनका ''जहन बिलकुल खुला'' है लेकिन ऐसा कोई भी समझौता पार्टी के हितों की कीमत पर नहीं होगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में अन्य पार्टियों से गठबंधन को लेकर उनका ''जहन बिलकुल खुला हुआ'' है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अभी वह यह नहीं कह सकतीं कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी या फिर गठबंधन करेगी। हालांकि कोई भी गठबंधन पार्टी के हितों की कीमत पर नहीं होगा। प्रियंका ने खुद के उत्तर प्रदेश के राजनीतिक फलक से अकसर गैरहाजिर रहने के विपक्ष के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह उत्तर प्रदेश में 'राजनीतिक पर्यटक नहीं हैं और वह पिछले करीब डेढ़ साल से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं तथा पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लगातार संपर्क में हैं। अब वह उत्तर प्रदेश में ज्यादा समय देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में बड़े-बड़े दावे कर सत्ता हथियाने वाली भाजपा की असलियत अब जनता के सामने पूरी तरह जाहिर हो गई है और कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की इन्हीं नाकामियों को जनता के सामने रखेगी।

ब्राह्मण समाज के लोग अब भाजपा के किसी भी बहकावे में नहीं आएंगे: मायावती

लखनऊ (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को दावा किया कि अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट नहीं देंगे। मायावती ने यहां मीडिया से कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि अब ब्राह्मण समाज के लोग भाजपा के किसी भी बहकावे में नहीं आएंगे और अगले विधानसभा चुनाव में उसे वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज को जागरुक करने के लिए बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में 23 जुलाई को अयोध्या से एक अभियान शुरू किया जा रहा है और ब्राह्मणों को भरोसा दिया जाएगा कि बसपा शासन में ही उनका हित सुरक्षित है।

बसपा प्रमुख मायावती ने किसानों के मसले को उठाते हुए कहा कि विपक्षी दलों को एक साथ आना चाहिए और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों के प्रति सरकार की उदासीनता बेहद दुःखद है। बसपा प्रमुख ने कहा कि किसानों की मांगों के संबंध में संसद में केंद्र पर हर तरह का दबाव बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कथित गलत आर्थिक नीतियों की वजह से देश में बढ़ती बेरोजगारी के बीच महंगाई के आसमान छूने से लोगों के सामने काफी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। मायावती ने कहा, मैंने अपनी पार्टी के सांसदों को संसद के मानसून सत्र में देश और लोगों के लाभ से संबंधित मामलों को उठाने का निर्देश दिया है। ऐसे कई मामले हैं, जिन पर देश की जनता केंद्र सरकार से जवाबदेही चाहती है। उन्होंने कहा कि बसपा सांसद के मानसून सत्र में ईंधन और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि और कोविड-19 रोधी टीकाकरण से संबंधित मामलों को संसद में उठाएंगे।

राजस्थान के गंगापुर में ऑक्सीजन सांद्रक फटने से महिला की मौत, पति की हालत गंभीर

जयपुर। कोरोना वायरस महामारी के काल में ऑक्सीजन को संजीवनी माना जा रहा हैं। ऐसे में ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन सांद्रक का प्रयोग ज्यादातर लोग कर रहे हैं, या फिर आप यूं कह सकते हैं कि महामारी में ऑक्सीजन सांद्रक हर घर के लिए जरुरी हो गया है। ऑक्सीजन सांद्रक से जुड़ी एक लापरवाही का मामला सामने आया है। राजस्थान के गंगापुर शहर में दोषपूर्ण ऑक्सीजन सांद्रक का उपयोग करना घातक साबित हुआ। ऑक्सीजन सांद्रक को जैसे ही चालू किया गया उस वक्त उनमें बड़ा विस्फोट हो गया। हादसे में महिला की मौत हो गयी और आदमी गंभीर रुप से घायल हो गया। यह घटना गंगापुर के उदय मोर इलाके की है, जहां एक ठीक हो रहे कोविड-19 मरीज द्वारा एक घर में ऑक्सीजन कंसंटेटर का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, आईएएस हर सहाय मीणा के भाई सुल्तान सिंह को कोविड-19 की वजह से पिछले दो महीने से सांस लेने में तकलीफ थी। उसे सांस लेने में मदद करने के लिए एक ऑक्सीजन सांद्रक की व्यवस्था की गई थी और वह घर पर ठीक हो रहा थे। सिंह की पत्नी संतोष मीणा, एक गर्ल्स हाई स्कूल में हेडमिस्ट्रेस है वह अपने पति की देखभाल कर रही थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक मीनेष चन्द के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमाआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक मीनेष चन्द (इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928085878